कभी अगर ऐसा हुआ है तो यह प्रेक्टिस क्यों बनने जा रही है। धीरे-धीरे यह हाउस अपनी कन्वेंशन छोड़ता जा रहा है। हमारा हाउस बहुत ज्यादा आधारित कन्वेंशनों पर है, रूल्स में कुछ चीजें नहीं भी लिखी हुई हैं। लेकिन मैं यह प्रैस करना चाहूंगा कि ऐसी बात नहीं होनी चाहिए जिससे यह आभास बने कि हम शायद कन्वेंशन को बंद करके परम्परा डाल रहे हैं। मैं इस पर अपना आब्जेक्शन रेज करता हूं।

[]سید سبط رضی: اگر پہلی بار ایسا نہیں ہو رہا ہے تو ہم پریکٹس کو اڈاپٹ کرنے جا رہے ہیں۔ کہ ہم جمعہ کو نہیں اٹھا کریں گے۔ میں سمجھتا ہوں آپ چیئر پر ہیں اور یہ سینسیٹیو ایشو ہے۔ ہمیشہ ایسا ہی رہا ہے۔ اگر پہلی بار نہیں ہے اس سے پہلے بھی ہوا ہے تو ہمیں اس پر زیادہ توجہ دینی چاہیئے۔ میں سمجھتا ہوں کہ ایکسیپشنل کبھی اگر ایسا ہوا ہے تو یہ پریکٹس کیوں بننے جا رہی ہے۔ دھیرے دھیرے یہ ہاؤس اپنی کنوینشن چھوڑتا جا رہا ہے۔ ہمارا ہاؤس بہت زیادہ آدھارت کنوینشنوں پر ہے۔ رولس میں کچھ چیزیں نہیں بھی لکھی ہوئی ہیں۔ لیکن میں یہ پریس کرنا چاہوں گا کہ ایسی بات نہیں ہونی چاہیئے جس سے یہ آبھاس بنے کہ ہم شاید کنوینشن کو بند کر کے پرمپرا ڈال رہے ہیں۔ میں اس پر اپنا آبجیکشن ریز کرتا ہوں۔]

उपसभापति: आप अपना आब्जेक्शन रेज कीजिए। आपको अख्तियार है। आप गण्य-मान्य सदस्य हैं। मगर जब मैं आब्जेक्शन रेज कर रही थी कि इस मामले को जल्दी खत्म कीजिए ताकि हम आगे का बिजनैस कर सकें तो उस वक्त किसी ने मेरा साथ नहीं दिया। आप बताइये मैं क्या करूं। जिसको खाना खाना है वह खाना खा ले, जिस को पूजा-पाठ करना है, नमाज पढ़नी है वह नमाज पढ़ ले और जिसको काम करना है वह काम करे।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी: आपको ऐसा नहीं करना चाहिए, यह गलत बात है। ...(**व्यवधान**)...

[]مولانا عبیداللہ خان اعظمی: آپکو ایسا نہیں کرنا چاہیئے۔ یہ غلط بات ہے۔ "مداخلت"]

उपसभापति: देखिए, हम हाउस एडजर्न करते हैं लंच के लिए। लंच आवर में आप फ्री हैं आप चाहे जो करें। खाना खाइए, ना खाइए, आप कुछ भी कर सकते हैं। कृपया इस तरह की बातें न करें। जिसको बोलना है वह बोले, जिसको नहीं बोलना है वह न बोले। जो जाना चाहे वह जा सकता है। मैं मजबूर नहीं कर रही हूं। जिसको बोलना है बोले और जिसको न बोलना हो न बोले। धन्यवाद।

श्रीमती सुषमा स्वराज: महोदया,....

श्री माखनलाल फोतेदार: अब क्या फैसला हुआ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: The House is supreme. I am not supreme. I am just a custodian of this House. If the House agrees, I agree. We have broken conventions and we have made conventions. I am only a custodian of this House. I should not be misunderstood by anybody.

RE: KILLING OF FARMERS AT BHIWANI IN HARYANA

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा): महोदया, वैसे तो जुल्म और ज्यादती के लिए, पक्षपातपूर्ण तरीके से और अनुचित तरीके से काम करने के लिए हरियाणा की सरकार बहुत कुख्यात है। किन्तु परसों जिस तरीके से हरियाणा के भिवानी जिले के कादमा गांव में हरियाणा सरकार की पुलिस ने निहत्थे किसानों पर अंधाधुंध फायरिंग करके किसानों को मारने का काम किया है, उससे [illegible] का माथा शर्म से झुक रहा है और [illegible] महोदया, पिछले करीब [illegible] सालों से ...(व्यवधान)...

[]Transliteration in Arabic script

उपसभापति: उनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... रामजी लाल मैं आपको बुलाऊंगी, आपका नाम है। मैं आपको बुलाऊंगी। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: मुझे बोलने दीजिए। वह बीच में क्यों खड़े हो रहे हैं! ...(व्यवधान)...

उपसभापति: आप कोई ऐसी बात कह रही होंगी जिससे उन्हें बीच में खड़ा होना पड़ रहा होगा। ...(व्यवधान)...

श्री एस.एस. सुरजेवाला: आप गलत बात कर रही हैं इसलिए खड़े हो रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम: इसका मतलब यह नहीं है कि उनको बोलने न दिया जाए। किसी को बोलने से रोकने का हक आपको नहीं है। ...(व्यवधान)..

†[شری محمد سلیم: اسکا مطلب یہ نہیں ہے کہ انکو بولنے نہ دیا جائے کسی کو بولنے کیلئے روکنے کا حق آپکو نہیں ہے۔ ...مداخلت...]

श्रीमती सुषमा स्वराज: महोदया, मैं तथ्य सामने रख रही हूं। अगर मैं गलत तथ्य रखूं तो रामजी लाल का नाम इसमें है, वे उस वक्त बता दें कि ये तथ्य गलत हैं।

उपसभापति: आप जरा संक्षेप में बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: अब तक तो मैं अपनी बात खत्म कर भी देती।

महोदया, पिछले दो वर्षों से वहां लगभग 20 गांवों के किसानों ने संघर्ष समिति बना रखी है। उनका यह कहना है कि खेतों को दी जानी बिजली सस्ती मिलनी चाहिए या निःशुल्क मिलनी चाहिए। इसके ऊपर वह संघर्ष कर रहे हैं। करीब पिछले डेढ़ वर्षों से यह संघर्ष चल रहा है। उन्होंने बिजली के बिल नहीं भरे यह तथ्य है, यही आप कहना चाहते हैं ना, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। बिजली के बिल न भरने के कारण वहां के प्रशासन ने पुलिस की मदद से इन 20 गांवों के बिजली के कनेक्शन काट दिए, यह भी ठीक है। जब बिजली के कनेक्शन काट दिए तो उस संघर्ष समिति ने ऐलान किया, कल की तारीख का अल्टीमेटम दिया कि 4 बजे तक हमारे कनेक्शन जोड़ दिए जाएं वरना हम कोई सीधी कार्यवाही करेंगे। जो 4 बजे तक अल्टीमेटम का समय था, उस समय पर वे बिजली के दफ्तर में आ गए और करीब 5-6 हजार की संख्या में वहां इकट्ठे हो गए। ...(व्यवधान).. बोलने तो दो। कमाल है, आप बीच में नहीं बोल सकते। आपको बोलने का टाइम दिया जाएगा। ...(व्यवधान)...

उपसभापति: रामजीलाल जी, अगर आप अपने टाइम पर बोलिए, आपको भी बोलने का मौका मिलेगा।

(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं कब कह रही हूं कि निःशुल्क बिजली दी जाय। मैं निःशुल्क बिजली की वकालत नहीं कर रही हूं। राजस्थान की सरकार ने किसानों को मारा नहीं है। मैं केवल इसकी बात कर रही हूं। वह बात आप मुझे करने देंगे या नहीं करने देंगे? मैं बिल्कुल निःशुल्क बिजली देने की वकालत नहीं कर रही हूं। मैं तथ्य यह रख रही हूं कि जब वे वहां पर इकट्ठे हो गए तो इससे पहले कि किसान कुछ भी करते वहां पर खड़ी पुलिस फोर्स ने पहले उन पर लाठी चार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी और बिना चेतावनी दिये उन निहत्थे किसानों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी, फायरिंग कर दी। सरकार के मुताबिक वहां चार लोग मरे, अखबारों के मुताबिक 6 लोग मरे लेकिन मेरी अपने जो प्रामाणिक जानकारी है, उनके मुताबिक 8 लोग अब तक मर चुके हैं और 50 लोग बुरी तरह घायल हैं। कोई शक नहीं अगर मरने वालों की संख्या 10 या 12 तक पहुंच जाए। जो घायल अस्पताल में पड़े हैं उनमें से 3-4 की हालत बहुत नाजुक है।

मैं यह पूछना चाहती हूं, आप तो स्वयं बिजली मंत्री रहे हैं वहां, निःशुल्क बिजली मत दीजिये लेकिन कम से कम निहत्थे किसानों पर गोली मत चलाइये। एक समय था महोदया इस देश के अन्दर जब एक राउंड गोली फायर हुई थी तो डा. लोहिया ने अपनी सरकार को कहा, निर्देश दिया था कि तुम्हें इस्तीफा दे देना चाहिये क्योंकि प्रजातांत्रिक देश के अन्दर कोई सरकार अपने नागरिकों पर गोली नहीं चला सकती। एक वह समय था हिन्दुस्तान के अन्दर और आज रोज गोली चलती है सरकार बनी रहती है। जिस तरह से वहां लोगों को मारा गया, घायल किया गया, एक आठ साल की बच्ची की आंसू गैस चलने के कारण आखें चली गई, यह हालात वहां हुए हैं। क्या कोई सदन का आदमी बैठा हुआ इसकी भी वकालत कर सकता है? आप विद्युत मंत्री रहे हैं, आप हरियाणा के वासी हैं, कादमा में जो फायरिंग हुई, क्या आप उसकी वकालत कर सकते हैं? 8 लोगों की मौत हुई है, क्या आप इसकी वकालत कर सकते हैं? एक लड़की की आंखें चली गई है; क्या इसकी वकालत कर सकते हैं? मैं नहीं कहती कि आप निःशुल्क बिजली दीजिये, मैं नहीं कहती कि आप सस्ती बिजली दीजिये, जो आपको करना हो वह करिये; लेकिन यह गांधी

का देश है, यहां लोग अपनी मांग के समर्थन में प्रदर्शन करेंगे, उनको यह अधिकार है, गांधी जी ने हमें यह सिखाया है। लेकिन निहत्थे किसानों पर प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठे हुए किसानों पर बिना चेतावनी दिये गोलियां चलाई जाएं, 8 लोगों को मौत के घाट उतार दिया जाए, एक लड़की को आंसू गैस से अंधा कर दिया जाए, इसकी वकालत कौन कर सकता है? गृह मंत्री जी मेरे सामने बैठे हुए हैं, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन के सामने उनसे दरख्वास्त करना चाहती हूं कि इस तरह की सरकार को तुरंत बर्खास्त किया जाए। एक क्षण भी वह सरकार बने रहने के काबिल नहीं है जो अपनी निहत्थे नागरिकों पर गोलियां चला कर के मौत के घाट उतारती है। तुरंत यहां से निर्देश जाना चाहिये भजन लाल सरकार को बर्खास्त करना चाहिये तभी कादमा में हुई फायरिंग के अन्दर लोगों को चैन की सांस मिल सकेगी वरना नहीं मिल सकेगी। इतना ही मुझे कहना है। धन्यवाद।

उपसभापति: श्री मोहम्मद सलीम।

श्री मोहम्मद सलीम: आपने मोहम्मद सलीम कहा या रामजीलाल?

उपसभापति: मैंने नाम तो मोहम्मद सलीम बुलाया था। रामजी लाल जी बाद में बोलेंगे।

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): मैडम, मैं ज्यादा लंबी बात नहीं कहूंगा। सुषमा जी ने जो बात उठाई है, हमें परसों उसकी खबर मिली थी। हमें यह खबर मिली कि ऐसा हंगामा हुआ है और गोली भी चली है। कल सुबह पता चला कि कुछ लोग मारे गये हैं, यह पता नहीं चला कि कितने मरे हैं। सुबह हमें बताया गया कि तीन लोग मारे गये हैं, इससे ज्यादा भी मर सकते हैं, इसलिए आप को यह मामला सदन में उठाना चाहिये। मैडम, जीरो-अवर के आजकल हमने नियम ऐसे बना दिये है कि अगर कोई घटना घट जाए तो फौरन उसको उठा नहीं सकते हैं क्योंकि कल के बहुत से जीरो-आवर मेंशन ओर स्पेशल मेंशन पेंडिंग थे। इसलिए आज इस बात को उठाने का मौका मिला है। सबसे शर्मनाक मामला यह नहीं है कि हरियाणा पुलिस, हरियाणा की हकूमत ने जो वहां बिजली मांग रहे थे। प्रोटेस्ट कर रहे थे, शान्तिपूर्ण तरीके से प्रोटेस्ट कर रहे थे उनको गोली चला कर मार दिया, शर्म तो इस बात की है कि इस सदन में कोई सदस्य यह कहे कि उनके ऊपर बकाया पड़ा हुआ था इसलिए गोली मार दी । (व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: यह रामजी लाल कह रहे हैं। (व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम: यह शर्मनाक बात है। हम इस तरह से डिफेंस नहीं करना चाहते हैं। हकूमत वहां आज भजन लाल की है, कांग्रेस पार्टी की है, दूसरी रियासत में किसी भी पार्टी की हकूमत हो सकती है। हरियाणा के बारे में कल काफी दस्तावेज दे रहे थे, हो सकता है देवी लाल का नाम कह रहे थे, आज भजन लाल है लेकिन यह आप कौन सी संस्कृति बना रहे है हकूमत चलाने की, सरकार चलाने की किसान अपने थे, उनकी जायज़ मांग है बिजली का संकट हो रहा है पूरे देश में। आप आहिस्ता-आहिस्ता बिजली मल्टीनेशनल्ज को दे देंगे। कल को रोड्स भी मल्टीनेशन को देने वाले हैं और दूसरे दिन यह बताएंगे कि फ्रांस क्रास के लिए किसान रास्ता नहीं दे रहे थे, इसलिए गोली चला कर उनको मार दिया गया। हम किस जगह पर जा रहे है? हमारा अपना भी कुछ फ़र्ज बनता है सरकार की हैसियत से हमारे गवर्नेंस के कुछ अपने तरीके हो सकते हैं। इससे पहले भी एक दफा गोली चलाई गई थी। आज भिवानी में मौत हुई है, उस वक्त ईंट भट्टे के मजदूर अपने रेट बढ़ाने के लिए मांग कर रहे थे। उनके ऊपर गोली चला कर मार दिया गया। यह घटना जिंद में हुई थी। मैं भी वहां पर गया था तो पुलिस यह कह रही थी कि क्या आप बिहार के है। मैंने कहा नहीं। उन्होंने कहा कि क्योंकि मजदूर बिहार के हैं। यह इतना शर्मनाक मामला है कि पुलिस अफसर हमसे पूछ रहे हैं मेरे नाम को देख कर और मेरी ज़बान सुन कर के कहते हैं कि आप बिहार के हैं। मैंने बोला, नहीं। उनका कहना यह था कि मजदूर तो बिहार के थे। यह शर्मनाक मामला हो रहा है। इसलिए मैंने बोला कि यह किसान तो हरियाणा के थे। सवाल यह पैदा होता है कि यह सवाल हरियाणा का या बिहार का नहीं है, हम जो हकूमत चलाने वाले लोग हैं, हमने उनको जो वर्दी दी है, हमने जो उनको औजार दिये है क्या हम उनको यह भी सिखा रहे हैं, शिक्षा दे रहे हैं, तरीका बता रहे हैं कि किस तरह से भीड़ को कंट्रोल करना चाहिये। मुठभेड़ हो जाए तो किस तरह से कंट्रोल करना चाहिये। प्रोटेस्ट हम रोज़ दिल्ली में देखते हैं किस तरह से पुलिस वाले हमारे प्रोटेस्टर्ज को कंट्रोल करते हैं। डेमोक्रेसी में प्रोटेस्ट तो होंगे ही, कभी जायज मांग पर होंगे तो कभी नाजायज़ मांग पर होंगे।

लेकिन जो डेमोक्रेटिक तरीके से प्रोटेस्ट करने का तरीका है जहां लोग इकट्ठे होंगे उनको डील करने का अपना एक तरीका है। चाहे स्टेट गवर्नमेंट हो चाहे सेंट्रल गवर्नमेंट हो, पुलिस अथारिटीज हों या डिसिप्लन इन्फोर्स करने वाली अथारिटीज हों अगर उनको सही तरीका मालूम नहीं होगा तो ये हम लोगों को बाध्य करते हैं कि तुम ऐसा तरीका अपनाओं जो डेमोक्रेटिक तरीका नहीं है। छिपकर आओ और कहीं छिपकर एक्सप्लोजन कर दो, कुछ और तरीका

[]Transliteration in Arabic script.

अपना लो। तो आप कौन सा सिग्नल दे रहे हैं लोगों को। आपको कहना पड़ेगा कि नहीं, आपके साथ कुछ नाजायज हुआ है, अगर आपको कोई क्षोभ है तो आप आएं, हम आपसे मिलने के लिए तैयार है, बात करने के लिए तैयार है। जब वह दूसरा बहुत सा अनडेमोक्रेटिक तरीका अपना लेगा तब आप स्पेशल प्लेन से, बी.एस.एफ. के प्लेन से जाकर बोलेंगे, आओं, हम तुमसे बात करते है, एकार्ड करते हैं। जब वे खुद आपके पास आएंगे, आपके दफ्तर में आएंगे, मंत्री के पास, डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट के पास कि हमारा यह सवाल है, इस सवाल को सुनो उस वक्त आप पर गोली चला देंगे तो यह सही नहीं है। खासकर में सैंट्रल गवर्नमेंट से कहूंगा कि हरियाणा दिल्ली से बहुत नजदीक है। हरियाणा तो हुकूमत चलाने का जो तरीका है उसका एक सिम्बल बन रहा है। इसलिए आप इसको देखें। वहां की हुकूमत से पूछें, सरकार से पूछें। ऐसा नहीं होना चाहिए। किसान को अगर पानी नहीं मिले, बिजली नहीं मिले, खाद नहीं मिले तो वे आएंगे, सवाल उठाएंगे। जो लोग कहते है कि हम किसान की सरकार हैं, किसानी की पार्टी है, उनके नेता हैं उनको इस तरीके से डिफेंड नहीं करना चाहिए कि बकाया पड़ जाएगा तो गोली चला देंगे। धन्यवाद।

†[شری محمد سلیم (پشچمی بنگال): میڈم - میں زیادہ لمبی بات نہیں کہوں گا - سشماجی نے جو بات اٹھائی ہے - ہمیں پرسوں اسکی خبر ملی تھی - ہمیں یہ خبر ملی کہ ایسا حادثہ ہوا ہے اور گولی بھی چلی ہے - کل صبح پتہ چلا کہ کچھ لوگ مارے گئے ہیں - یہ نہیں پتہ چلا ہے کہ کتنے مارے گئے ہیں - صبح ہمیں بتایا گیا - کہ تین لوگ مارے گئے ہیں - اس سے زیادہ بھی مر سکتے ہیں - اسلئے یہ معاملہ سدن میں اٹھانا چاہیئے - میڈم - زیرو آور کے آجکل ہم نے نیم ایسے بنا دئے ہیں کہ اگر کوئی گھنٹہ گھٹ جائے تو فوراً ہم اسکو اٹھا نہیں سکتے ہیں - کیونکہ کل کے بہت سے زیرو آور مینشن اور اسپیشل مینشن پینڈنگ تھے - اسلئے آج اس بات کو اٹھانے کا موقع ملا ہے - سب سے شرمناک معاملہ یہ نہیں ہے کہ ہریانہ پولیس - ہریانہ کی حکومت نے جو بجلی مانگ رہے تھے یہ پروٹسٹ کر رہے تھے - شانتی پورن طریقے سے جو پروٹسٹ کر رہے تھے - انکو گولی چلا کر مار دیا - شرم تو اس بات کی ہے کہ اس سدن میں کوئی سدسیہ یہ کہے کہ انکے اوپر بقایا پڑا ہوا تھا اسلئے گولی مار دی ... "مداخلت" ...]

†[شریمتی سشما سوراج: یہ رام جی لال کہہ رہے ہیں - ... "مداخلت" ...]

شری محمد سلیم: یہ شرمناک بات ہے - ہم اسطرح سے ڈیفینس نہیں کر پا رہے ہیں - حکومت وہاں آج بھی لال کی ہے - کانگریس پارٹی کی ہے دوسری ریاست میں کسی بھی پارٹی کی حکومت ہو سکتی ہے - ہریانہ کے بارے میں کافی دستاویز دیتے رہے تھے - ہو سکتا ہے دیوی لال کا نام کہہ رہے تھے - آج بھی لال ہیں لیکن یہ آپ کونسی سنسکرتی بنا رہے ہیں حکومت چلانے کی - سرکار چلانے

†Transliteration in Arabic script.

کی - کسان اپنے تھے - انکی جائز مانگ ہے - بجلی کا سنکٹ ہو رہا ہے پورے دیش میں - آپ آہستہ آہستہ بجلی ملٹی نیشنلائز کو دیدینگے - کل کو روڈ بھی ملٹی نیشنلائز کو دینے والے ہیں - اور دوسرے دن یہ بتا چلیگے کہ کراس کرنے کیلئے کسان راستہ نہیں دے رہے تھے - اسلئے گولی چلا کر انکو مار دیا گیا - ہم کس جگہ پر جا رہے ہیں - ہمارا اپنا بھی کچھ فرض بنتا ہے سرکاری حیثیت سے - ہمارے گورنیس میں کچھ اپنے طریقے ہو سکتے ہیں - اس سے پہلے بھی ایک دفعہ گولی چلائی گئی تھی - آج بھوانی میں موت ہوئی ہے - اس وقت اینٹ بھٹے کے مزدور اپنے ریٹ بڑھانے کیلئے مانگ کر رہے تھے - انکے اوپر گولی چلا کر مار دیا گیا - یہ گھٹنا جیند میں ہوئی تھی - میں بھی وہاں پر گیا تھا - تو پولیس یہ کہہ رہی تھی کہ یہ بہار کے ہیں - میں نے کہا نہیں - انھوں نے کہا کیونکہ مزدور بہار کے ہیں - یہ اتنا شرمناک معاملہ ہے کہ پولیس افسر ہم سے پوچھ رہے ہیں - میرے نام کو دیکھکر اور میری زبان سنکر کہتے ہیں کہ آپ بہار کے ہیں - میں نے بولا نہیں - انکا کہنا یہ تھا کہ مزدور تو بہار کے تھے - یہ شرمناک معاملہ ہو رہا ہے - اسلئے میں نے بولا کہ یہ کسان تو ہریانہ کے تھے سوال یہ پیدا ہوتا ہے - کہ یہ سوال ہریانہ کا یا بہار کا نہیں ہے - ہم جو حکومت چلانے والے لوگ ہیں ہم نے انکو جو وردی دی ہے - ہم نے انکو جو اوزار دیئے ہیں کیا ہم انکو یہ بھی سکھا رہے ہیں شکشا دے رہے ہیں - طریقہ بتا رہے ہیں - کہ کسطرح سے بھیڑ کو کنٹرول کرنا چاہیئے - مگر بھیڑ ہو جائے تو کسطرح سے کنٹرول کرنا چاہیئے - پروٹیسٹ ہم لوگ دہلی میں دیکھتے ہیں - کہ کسطرح سے پولیس والے ہمارے پروٹیسٹرز کو کنٹرول کرتے ہیں - ڈیموکریسی میں پروٹیسٹ تو ہونگے ہی - کبھی جائز مانگ پر ہونگے - لیکن جو ڈیموکریٹک طریقے سے پروٹیسٹ کرنے کا طریقہ ہے - جہاں لوگ اکٹھے ہونگے - اسکو ڈیل کرنے کا اپنا ایک طریقہ ہے - چاہے اسٹیٹ گورنمنٹ ہو چاہے سینٹر گورنمنٹ ہو - پولیس اتھورٹیز ہوں یا ڈسپلن افورسمنٹ کرنے والی اتھارٹیز ہوں - اگر انکو صحیح طریقہ معلوم نہیں ہوگا تو ہم لوگوں کو یاد دہانی کرتے ہیں کہ تم ایسا طریقہ اپناؤ جو ڈیموکریٹک طریقہ نہیں ہے - چھپکر آؤ اور کہیں چھپکر ایکسپلوزن کردو - کچھ اور طریقہ اپنالو - تو آپ کونسا سگنل دے رہے ہیں لوگوں کو آپکو کہنا پڑیگا کہ نہیں آپکے ساتھ کچھ ناجائز ہوا ہے - اگر آپکو کوئی شکایت ہے تو آپ آئیں -

ہم آپ سے ملنے کیلئے تیار ہیں۔ بات کرنے کیلئے تیار ہیں جب وہ دوسرا بہت سا ان ڈیموکریٹک طریقہ اپنا لیگا۔ تب آپ اسپیشل پلین سے۔ بی۔ ایس۔ ایف۔ کے پلین سے جا کر بولیں گے۔ آؤ ہم تم سے بات کرتے ہیں۔ ایکارڈ کرتے ہیں۔ جب وہ خود آپکے پاس جائینگے۔ آپکے دفتر میں آئینگے۔ منتری کے پاس۔ ڈسٹرکٹ مجسٹریٹ کے پاس کہ ہمارا یہ سوال ہے۔ اس سوال کو سلو۔ اسوقت آپ ان پر گولی چلا دینگے تو یہ صحیح نہیں ہے۔ خاصکر میں سینٹرل گورنمنٹ سے کہونگا کہ ہریانہ دلی سے بہت نزدیک ہے ہریانہ کا حکومت چلانے کا جو طریقہ ہے اسکا سمپل بن رہا ہے۔ اسلئے آپ اسکو دیکھیں۔ وہاں کی حکومت سے پوچھیں۔ سرکار سے پوچھیں۔ ایسا نہیں ہونا چاہئے۔ کسان کو اگر پانی نہیں ملے۔ بجلی نہیں ملے کھاد نہیں ملے تو وہ آئینگے۔ سوال اٹھائینگے۔ جو لوگ کہتے ہیں کہ ہم کسان کی سرکار کسان کی پارٹی ہیں۔ انکے نیتا ہیں۔ انکو اس طریقہ سے ڈیفینڈ نہیں کرنا چاہئے۔ بتایا پڑ جائیگا۔ تو گولی چلا دینگے۔ دھنیواد۔

श्री रामजीलाल (हरियाणा): महोदया, अभी मेरे से पहले माननीय सदस्या सुषमा स्वराज जी और माननीय मोहम्मद सलीम जी ने बात आपके सामने रखी। मैं पांच मिनट बोलूंगा। मेरे बीच में न बोलें।

आदरणीय सदस्या और मोहम्मद सलीम जी को यह पता नहीं है कि कादमा कहां है, कितने किलोमीटर पर है..(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: हमें यह पता नहीं है कि कादमा कहां है? ...(व्यवधान)। मैं चार बार कादमा गयी हूं ...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल: कहां पर है, क्या है, आपको मैं बताता हूं।

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैडम, आप यह कहने देंगी कि हमें यह पता नहीं कि कादमा में क्या हुआ। इनको पता है?

श्री रामजीलाल: आप बताइये कि भिवानी से कितने किलोमीटर पर है...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं चार बार वहां शिक्षा मंत्री के तौर पर काम करके आई हूं (व्यवधान)...

श्री रामजीलाल : आप बताइए भिवानी से कितना दूर है, वहां कितने हाई स्कूल है या स्कूल है। आप बताइए, फिर मैं बताऊंगा..(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम: वे पूछ रहे हैं कि कितने हाई स्कूल हैं, स्कूल हैं या नहीं हैं.....

(व्यवधान)

श्री रामजीलाल: मैं छोड़ता हूं.....

(व्यवधान)

उपसभापति: अच्छा इसमें लड़ाई झगड़ा मत करिए।

श्री रामजी लाल: मैं उसी जिले का हूं जहां यह घटना हुई.. (व्यवधान)

मैं वहीं का रहने वाला हूं। आज से तीन साल पहले साढ़े तीन सौ गांवों में उपभोक्ताओं ने बिजली के बिल नहीं भरे। फिर यहां मीटिंग हुई, केन्द्र में साल्वे जी ने मीटिंग ली थी और यह फैसला किया था कि ट्यूबवेल की कोई बिजली 50 पैसे यूनिट से कम नहीं होगी सारे देश में।

तो हरियाणा सरकार नहीं चाहती थी इसे बढ़ाना, लेकिन ऊपर की वजह से था चूंकि बिजली में बड़ा घाटा है। साढ़े तीन सौ गांवों ने बिल रोक लिए। हमारे मुख्य मंत्री जी ने और मिनिस्टरों ने मीटिंग की। वह सारा उन सबको समझाया। उसमें 60-70 गांव रह गए। बाकी सबने बिल देना शुरू कर दिया। मुख्य मंत्री जी ने भिवानी में, बादड़ा में पब्लिक मीटिंग में उनको समझाया कि बिजली दो रुपए यूनिट हम सेंटर से लेते हैं और 50 पैसे में देते हैं इसलिए बिजली के बकाया बिलों की अदायगी करें। 150 करोड़ रुपए बकाया है वहां। आप अंदाज लगाइये। दुर्घटना जो हुई उसका हमें खेद है। दुखपूर्ण है। कोई इस नीयत से नहीं करता।

श्रीमती सुषमा स्वराज: दुर्घटना नहीं हुई, जानबूझकर मारा है। दुर्घटना नहीं है। ऐसा मत कहें..(व्यवधान)

श्री रामजी लाल: अब कहानी ऐसी हो गयी....(व्यवधान) तब मुख्य मंत्री जी और पावर मिनिस्टर के समझाने के बाद बोर्ड ने नोटिस दिया और नोटिस में एक हफ्ते का समय दिया और कहा यदि बिल नहीं भरे जाएंगे तो कनेक्शन काट दिए जाएंगे या तो बिल भरो, चाहे किश्तों में भरो, 6 किश्तों या 9 किश्तें में लेकिन किसी तरह से भरो। लोग किसी तरह से नहीं मान रहे थे। एक हफ्ते का समय बीत गया, तब कनेक्शन काट दिए गए। फिर क्या हुआ। वहां पर लोग इकट्ठे हो गए। इकट्ठे होकर बिजली बोर्ड के जितने कर्मचारी थे उनको बंधक बना लिया। जबर्दस्ती उन्होंने कनेक्शन जुड़वाए और अल्टीमेटम दे दिया कि शाम के चार बजे तक अगर बिजली नहीं दोगे पावर हाउस से तो हम इसको जला देंगे। महोदया, चार बजे से पहले सारे लोग इकट्ठे हो गए। बड़ा भारी माब हुआ और बिजलीघर को जलाने के लिए वहां पहुंच गए। उस बिजलीघर को जलाने से बचाने और उन आदमियों को मारने से बचाने के लिए पुलिस आई। पुलिस के 26 कर्मचारी भी घायल हुए हैं। पथराव तक उन्होंने कर दिया..(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: यह बिल्कुल गलत है। जलाने के लिए पैट्रोलियम पदार्थ होने चाहिए..(व्यवधान) ये बिल्कुल गलत बयानी कर रहे हैं। कोई बिजलीघर जलाने नहीं गए थे..(व्यवधान)

श्री रामजी लाल: 26 कर्मचारियों को चोट लगी है। पुलिस ने बचाव किया तो पुलिस के ऊपर हमला बोल दिया। उसका बचाव उन्होंने किया। उसका हमें दुख है। लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि 150 करोड़ रुपया बकाया है। मेरा टेलीफोन का बिल मुझे नहीं पहुचा, 2 हजार रुपए मैंने भरे। सारे हाउस ने मेरी मदद की। आज अगर कोई टेलीफोन का या बिजली का बिल या मैं कहूं हमारी कोठी है किसी एम.पी. की..(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: जरा उनसे पूछिए कि उद्योगपतियों का कितना बकाया है। हजारों करोड़ रुपए का उनका बकाया है..(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: उनको घर में बैठा कर चाय पिलाते हैं...(व्यवधान) उद्योगपतियों....(व्यवधान) उन्होंने कितने कर्जे देने हैं...(व्यवधान)

उपसभापति: सुषमा जी...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: किसानों पर...(व्यवधान) आप उन्हें गोलियां मारते हैं।..(व्यवधान)

श्री रामजीलाल: हम अगर आप...(व्यवधान) सारा सदन, टेलीफोन एक्सचेंज पर या बिजली बोर्ड पर हमला करते हैं...(व्यवधान)

उपसभापति: एक मिनट, रामजीलाल। सुषमा जी, मैंने आपकी बात सुनवाई और किसी को इंटरप्ट करने नहीं दिया। वह कर रहे थे मैंने मना किया...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: मगर वह गलतबाजी कर रहे हैं।...(व्यवधान)

उपसभापति: आप बैठिए। आप बैठिए भी...(व्यवधान) वह सवाल बाद में पूछिए...(व्यवधान) एक मिनट आप बैठिए। वह अगर गलत बात कह रहे हैं तो उसको रेकार्ड में आने दीजिए। फिर बाद में उस पर कुछ कहिएगा।..(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: मगर वह जो कह रहे हैं...(व्यवधान)

उपसभापति: आप बैठिए ना, आप बैठिए।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं पूछ रही हूं कितना कर्जा है उन पर..(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: This will come up. (*Interruptions*)..*You are not listening to me.* ...(*Interruptions*)...This is very unfair, Sushmaji. Let him make his point.. (*Interruptions*)

जो लोग अपने कनैक्शन जुड़वाने आए हैं वे अगर बिजली घर को जला देंगे तो फिर कनैक्शन जोड़ने का फायदा क्या हुआ। तो मैं उनसे पूछ रही हूं..(व्यवधान) आप चुप रहेंगी तो मैं पूछूंगी...(व्यवधान)

श्री रामीलाल: महोदया, जैसा आपने कहा था इसका हमें बड़ा दुख है, मगर मैं यह आपसे आशा करूंगा कि आपका सारा सदन, विपक्ष भी यहां बैठा है, क्या यह

प्रार्थना करेंगे कि इस तरह से बिल अगर सारे देश में कहीं भी हो इस तरह के बिल पेमेंट न करें और वह बिजली लें और बिजली को लेकर कोई घटना हो जाए तो सारा सदन इस तरह से करता है तो क्या विपक्ष और सब मिल कर यह कोई आप बयान जारी करेंगे, आप लोगों को कहेंगे कि इस तरह की घटना आगे न हो और जिसने बिल नहीं दिया उसको देना चाहिए तो मैं यह ठीक समझूंगा...(व्यवधान) कल बात हो रही थी, गौतम जी ठीक कह रहे थे जब हम खुद ही ठीक नहीं तो ठीक क्या करेंगे। दुख है दुर्घटना हुई, अच्छी नहीं हुई, पुलिस ने अपने बचाव में किया है। लेकिन आप सब से मेरी प्रार्थना है अगर बिल इस तरह कोई भी, कहीं भी हो आपको कहना चाहिए आपको अखबार के मार्फ्त खबर देनी चाहिए कि इस तरह की घटनाएं और न हों। बिल देना चाहिए। मैं ज्यादा समय न आपका लेता हुआ आपसे कहना चाहूंगा...(व्यवधान)

उपसभापति: मि. रामजीलाल, आप एक मिनट बैठिये।...(व्यवधान) एक मिनट आप बैठिए। देखिए घटना हुई है तो उस पर खेद प्रकट कर दीजिए....(व्यवधान) घटना हुई तो खेद प्रकट कर दीजिए सब को अफसोस है। फार्मर मरता है कहीं दूसरे लोग मारे जाते हैं तो उस पर हम लोगों को अफसोस होता है। एक आदमी मारा जाता है तो हाउस में अफसोस होता है, 10 मारे जाएं तो और ज्यादा होता है क्योंकि उनकी फैमिलीज़ भी अफैक्ट हुई, यह अलग बात है कि उन्होने नहीं दिया बिजली का बिल जो उनको देना चाहिए था। उन पर बकाया था। अब बकाया नहीं देने का मतलब गोली से मार देना नहीं है। उसके दूसरे समाधान हो सकते हैं। आपने खुद ही अभी हाउस में कहा कि आपने कितना गलत भी बिल अगर आया था आपके टेलीफोन का मगर सरकार ने आप पर गोली तो नहीं चला दिया, सुख राम जी ने गोली तो नहीं आप पर चला दी। इसलिए एक तरह इन्क्वारी करके, आप एक ऐसी स्टेट से आते हैं जिस पर सारे देश को फख्र है। आप इतनी अच्छी वहां खेती करते हैं, किसानों की स्टेट है। आप अपने जिस आधार पर आपकी स्टेट खड़ी है वही आधार को आप काट देंगे तो फिर आप खड़े कैसे रहेंगे। इसलिए आप जो भी कुछ एक्सप्लेनेशन दे रहे हैं उसकी कोई आज जरूरत नहीं है। सिर्फ यह कह दीजिए कि गलत हुआ मालूमात करेंगे, इसकी इन्क्वारी करेंगे। ...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल: मैंने सब से पहले खेद प्रकट किया। मैंने कहा कि यह अच्छी बात नहीं हुई। एक सब स्टेशन जला दिया बिजली बोर्ड का रेकार्ड जला दिया, सब कुछ जला कर उन्होंने सत्यानाश किया है, उस पर हमें खेद है। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि महोदया जो आप कह रही हैं ऐसी बात नहीं है, कि पुलिस ने अपने बचाव के लिए किया, क्योंकि मैं खुद किसान हूं, सुषमा जी तो शायद किसान नहीं हैं। मैं खुद किसान हूं और सब हाथ से काम किया हुआ है और भजन लाल जी भी किसान हैं, और हरियाणा का राज मैं कहना चाहता था कि...(व्यवधान)

उपसभापति: अगर वह...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल: हरियाणा की सरकार 1991 से 1994 तक आराम से, सारे शांति और विकास से कार्य कर रही है। अब घटना हो गई, वह बदकिस्मती से हो गई। और यह भी हो गई, इसका हमें खेद है, अफसोस है, लेकिन आज हरियाणा में शांति और अमन है। घटना तो घट जाती है...(व्यवधान)

उपसभापति: उस की कुछ इन्क्वारी कर रहे हैं

श्री रामजीलाल: रोहतक के कमिश्नर इन्क्वारी कर रहे हैं। वहां लोगों को मुआवजा दिया जाएगा। उन की बराबर देखभाल हो रही है और सारी पुलिस एक तरफ बैठी है। उन्होंने पूरा घेराव कर रखा है...(व्यवधान)...मुख्य मंत्री जी ने सारी फोर्स हटा ली है...(व्यवधान)... जो वे मनमानी कर रहे हैं, लेकिन पुलिस वहां नहीं जा रही है। वह जगह छोड़े हुए है...(व्यवधान)...

उपसभापति: किसान क्या मनमानी कर सकते हैं?

श्री रामजीलाल: इसलिए मैंने कहा, माननीय सदस्या को सारी बात पता नहीं है क्योंकि वह तो अंबाला में रहती हैं या दिल्ली में रहती हैं। मैं एक-एक बात को जानता हूं...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: आप तो कादमा में रहते हो। मैं तो कभी कादमा गयी नहीं। ...(व्यवधान)... आप तो कादमा रहते हो, मैं तो अंबाला और दिल्ली में रहती हूं...(व्यवधान)...

उपसभापति: देखिए, यह साधारण बात है कि अगर किसानों ने किसी वजह से बिल का पैसा नहीं दिया है तो उसकी आप इंक्वायरी करिए, उन पर केस चलाइए और उन से बकाया जरूर लीजिए, वह चाहे इलेक्ट्रिसिटी का हो, पानी का हो या किसी और का हो, मगर गोली चलाना उचित नहीं है।

श्री विनोद शर्मा: मैडम, उन के ऊपर गोली पैसा लेने के लिए नहीं चलाई गई। वहां जो भीड़ इकट्ठी हुई थी, वह पब्लिक प्रॉपर्टी को जलाने की कोशिश कर रही थी, लोगों की जिन्दगी खतरे में थी। अब सेल्फ डिफेंस में अगर गोली चलायी गयी है तो उसके बारे में यह कहा जा रहा है। गुमराह किया जा रहा है कि उन से उगाई करने के लिए

गोली चलायी गयी है। सदन को गुमराह किया जा रहा है...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: महोदया, सरकार ने कल न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं, लेकिन मुझे दुख है कि सरकार के प्रतिनिधि यहां पर पहले से ही उन को बरी कर रहे हैं। मैडम, यह बड़ी सीरियस बात है, न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं सरकार ने और यह पहले ही खड़े होकर उन को बरी कर रहे हैं। यह पहले ही जवाब दे रहे हैं कि सेल्फ-डिफेंस में गोली चलायी है।

उपसभापति: अगर सेल्फ-डिफेंस में पुलिस ने गोली चलायी है तो कृपया उसकी जूडिशियल इंक्वायरी करा लीजिए। जूडिशियल इंक्वायरी कराकर मालूम कर लीजिए कि किस की गलती है क्योंकि जो जान गयी है, वह तो चली गयी और वह इंक्वायरी से वापिस नहीं आएगी।

श्री विनोद शर्मा: मैडम, यह स्टेट गवर्नमेंट का सब्जैक्ट है और इस बारे में ...(व्यवधान)...

उपसभापति: स्टेट गवर्नमेंट के सब्जैक्ट सेंट्रल गवर्नमेंट उठाती है। कल आप उठाएंगे तो मैं आप को अलाउ करूंगी। इस हाउस में बहुत बार उठे हैं और यह इम्पोर्टेन्ट मामला है। यह लोगों की जान का सवाल है, अगर अफसोस प्रकट करके आप बैठ जाएंगे तो ज्यादा बेहतर होगा। जो कुछ सफाई आप दे रहे हैं, वह मेरे सामने देने से कोई फायदा नहीं होगा। आप को सफाई देनी है तो जो इंक्वायरी कमेटी बिठायी है आप की सरकार ने उनके सामने दीजिए ताकि जिन लोगों के साथ अन्याय हुआ है, उन्हें उसका मुआवजा मिले और जिन्होंने अन्याय किया है, उन्हें उस की सजा मिले क्योंकि आप दोनों ने वह जगह देखी होगी, मैंने तो वह जगह नहीं देखी है। तो मैं यहां "सीट ऑफ जजमेंट" पर बैठकर यह नहीं कहूंगी कि कौनसी बात सही है, कौन सी गलत है। मगर इतना जरूर कहूंगी कि जब तक सबूत न हो कि वह वाकयी जला ही रहा है, उसके ऊपर गोली चलाना उचित नहीं है। आप बैठ जाइए और अब यह बात कृपया खत्म कर दीजिए।

श्री एस. एस. सुरजेवाला (हरियाणा): मैडम, मैं यह कहना चाहूंगा कि जो किसान मरे हैं, जो फायरिंग हुई है उस का बहुत अफसोस है। सरकार ने इंक्वायरी ऑर्डर कर दी है और यह भी कहा है कि इंक्वायरी के फलस्वरूप अगर किसी अधिकारी ने कोई "एक्सेस" या ज्यादती की है फायरिंग करने में, उन को सजा दी जाएगी और हम भी इस बात की ताईद करेंगे कि अगर पुलिस की या किसी ने ज्यादती की है तो उन के खिलाफ कार्यवाही की जाए, लेकिन जैसाकि और दूसरे दोस्तों ने बताया, यह घटना केवल तीन गांव की है, साढ़े तीन सौ गांव की बात नहीं है। तीन गांव के किसानों ने बिजली के बिल नहीं दिए और बहुत दफा उन के साथ नेगोशिएशन के बाद समय दिया गया, लेकिन जब उन्होंने बिजली घर का घेराव किया और जो अधिकारी थे उन को बिजली घर के कमरे में बंद कर दिया। उन को जब खतरा था तो पुलिस का यह कहना है कि इन हालात में फायरिंग हुई। तब वहां इन हालात में फायरिंग हुई, लेकिन असल इसका निर्णय जो है वह केवल इंक्वायरी के बाद ही हो सकता है। हमको पूरी उम्मीद है कि सरकार जो है, अगर कोई कसूरवार होगा तो उसको सजा देगी। किसान जो हैं, और जो मरे हैं उनको भी, सरकार मुआवजा देगी, उनके आंसू पोंछेगी। हमारी किसानों से भी दरख्वास्त है कि उनका भी इस काम में कोई फायदा नहीं है। बिजलीघर जो उन्होंने जला दिया, तो पहले ही उन्हें बिजली कम मिलती थी और अब जब बिजली घर जल गया है तो जरा सोचें कि वह भी कितने दिन में बनेगा। यानी उन्होंने अपने ही पांव काट लिए।

उपसभापति: जल गया?

श्री एस. एस. सुरजेवाला: जी, जला दिया बिजली घर भी।

श्रीमती सुषमा स्वराज: किसने जलाया?

उपसभापति: अब वह तो इंक्वायरी बताएगी।

श्री एस. एस. सुरजेवाला: जो भीड़ थी उसने बिजली घर भी जला दिया है। यह रिपोर्ट है। ...(व्यवधान)...

श्री के. आर. मलकानी: फायरिंग से पहले या फायरिंग के बाद?

श्री एस. एस. सुरजेवाला: अब मैं प्रत्यक्षदर्शी नहीं हूं। जो रिपोर्ट है...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are not sitting on an inquisition here. Neither did he do it nor am I the judge.

SHRI K. R. MALKANI: The thing should be made clear.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please. Let him speak.

श्री एस. एस. सुरजेवाला: इस सारे मामले को निष्कर्षमय तरीके से इनको देखना चाहिए। इसमें कोई पक्षपात की बात नहीं है। धन्यवाद।

उपसभापति: ठीक है। श्री जगमोहन।

श्रीमती सुषमा स्वराज: आपका धन्यवाद मैडम, जो आपने साथ दिया।